

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 536]

नई दिल्ली, सप्ताह, 26, 1982/अग्रहायण 5, 1904

No. 536] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 26, 1982/AGRAHAYANA 5, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1982

का० आ० 834(अ)/18 ए/आई० डी० आर० ए०/82 :—भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 727(अ)/18क/उ० वि० वि० अ०/72, तारीख 29 नवम्बर, 1972 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) में संशोधन एण्ड क्लोजर्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध 28 नवम्बर, 1977 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और इंडस्ट्रियल रिकं-स्ट्रक्शन कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, कलकत्ता को "प्राधिकृत नियंत्रक" के रूप में नियुक्त किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 787(अ)/18क/उ० वि० वि० अ०/77, तारीख 28 नवम्बर, 1977 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 28 नवम्बर, 1979 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, दो वर्ष की और अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 757(अ)/18क/उ० वि० वि० अ०/79, तारीख 26

1022 GI/82

नवम्बर, 1979 द्वारा उक्त आदेश की अवधि, 28 नवम्बर, 1980 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० 926(अ)/18क/उ० वि० वि० अ०/80, तारीख 28 नवम्बर, 1980 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 28 मई, 1981 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की और अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग), के आदेश सं० का० आ० 391(अ)/18क/उ० वि० वि० अ०/81, तारीख 28 मई, 1981 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 28 नवम्बर, 1981 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की और अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 732(अ)/18क/उ० वि० वि० अ०/81, तारीख 28 नवम्बर, 1981 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 28 नवम्बर, 1982 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश छह मास की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधि-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2)

के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 28 मई, 1983 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मा.म की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा० सं० 2(9)/80-सी० यू० एस०]

ए० पी० सरवान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 26th November, 1982

S.O. 834(E)|18A|IDRA|82.—Whereas by the Order of the Government of India in the Late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 727(E)|18A|IDRA|72 dated the 29th November, 1972 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the Industrial undertaking known as Messrs Containers and Closures Limited, Calcutta had been taken over for a period upto and inclusive of the 28th November, 1977, and the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta was appointed as "Authorised Controller";

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 787(E)|18A|IDRA|77, dated the 28th November, 1977, the duration of the said Order was extended for a further period of two years upto and inclusive of the 28th November, 1979;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 757(E)|18A|IDRA|79, dated the 26th November 1979, the duration of the said Order was extended

for a further period of one year upto and inclusive of the 28th November, 1980;

And, whereas, by the Order of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 926(E)|18A|IDRA|80, dated the 28th November, 1980, the duration of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 28th May, 1981;

And, whereas, by Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 391(E)|18A|IDRA|81 dated the 28th May, 1981, the duration of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 28th November, 1981;

And, whereas, by the Order of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 832(E)|18A|IDRA|81 dated the 28th November, 1981, the duration of the said order was extended for a further period of one year upto and inclusive of the 28th November, 1982.

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period of six months :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 28th May, 1983.

[File No. 2(9)|80-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.